चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 07 जुलाई 2026, अंक –304.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

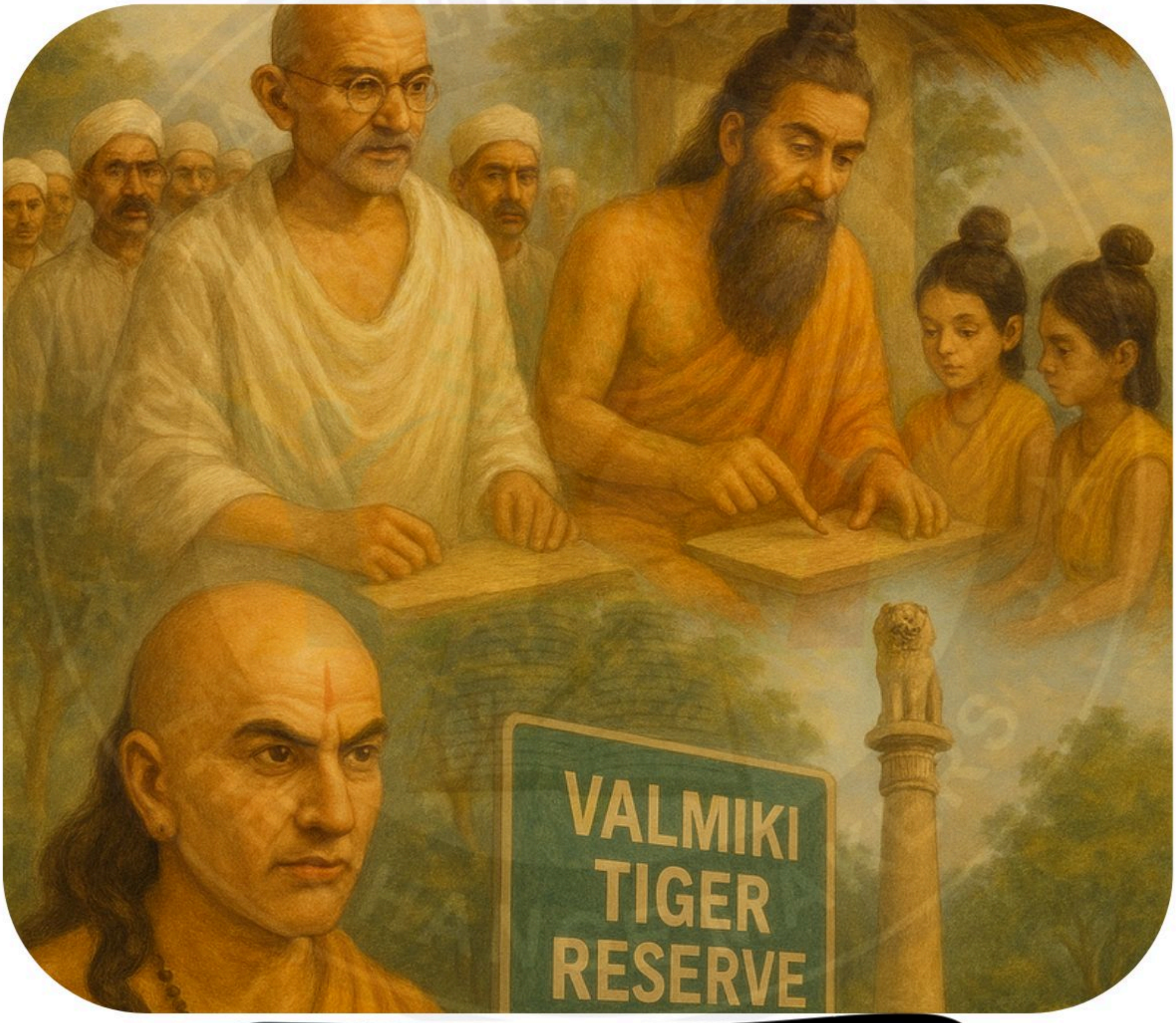

"कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।" — हरिवंश राय बच्चन

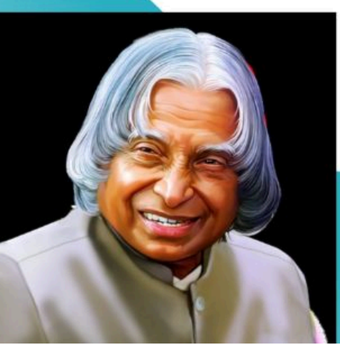

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

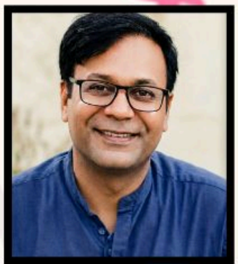

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. नेपाल की संघीय संसद (Federal Parliament) का मुख्यालय किस शहर में स्थित है?
उत्तर: काठमांडू
प्रश्न 2. भारत के पहले नोबेल पुरस्कार विजेता कौन थे?
उत्तर: रवीन्द्रनाथ ठाकुर
प्रश्न 3. 'यक्षगान' किस राज्य की प्रसिद्ध लोकनाट्य (Folk Theatre) शैली है?
उत्तर: कर्नाटक
प्रश्न 4. 729 का घनमूल क्या है?
उत्तर: 9
प्रश्न 5. विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना किस पाल शासक ने की थी?
उत्तर: धर्मपाल
प्रश्न 6. कान्हा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: मध्य प्रदेश
प्रश्न 7. डायनामाइट का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: अल्फ्रेड नोबेल
प्रश्न 8. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में अस्पृश्यता (Untouchability) का अंत किया गया है?
उत्तर: अनुच्छेद 17
प्रश्न 9. 'जो दूसरों पर आश्रित न हो' — इसके लिए एक शब्द क्या होगा?
उत्तर: स्वावलंबी
प्रश्न 10. पृथ्वी के वायुमंडल में सर्वाधिक मात्रा में कौन-सी गैस पाई जाती है?
उत्तर: नाइट्रोजन

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Cotton – (कॉटन) – कपास
Wool – (वूल) – ऊन
Silk – (सिल्क) – रेशम
Leather – (लेदर) – चमड़ा
Thread – (थ्रेड) – धागा
Fabric – (फैब्रिक) – कपड़ा / वस्त्र
Needle – (नीडल) – सुई

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: “क्या वे ... सकते/सकती हैं?” (Can they ...?)

क्या वे पढ़ सकते हैं? – Can they read?
क्या वे लिख सकते हैं? – Can they write?
क्या वे खेल सकते हैं? – Can they play?
क्या वे गा सकते हैं? – Can they sing?
क्या वे अंग्रेज़ी बोल सकते हैं? – Can they speak English?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 7 जुलाई को "विश्व चॉकलेट दिवस" (World Chocolate Day) मनाया जाता है — यह किस ऐतिहासिक घटना की स्मृति में मनाया जाता है और चॉकलेट का मूल स्रोत कौन सा पेड़ है?
उत्तर: 1550 में यूरोप में चॉकलेट का आगमन; थियोब्रोमा कोको
व्याख्या: विश्व चॉकलेट दिवस प्रतिवर्ष 7 जुलाई को मनाया जाता है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि 7 जुलाई 1550 को पहली बार चॉकलेट को यूरोप में लाया गया था। चॉकलेट, "थियोब्रोमा कोको" वृक्ष के बीजों से प्राप्त होती है। यह वृक्ष मेक्सिको, मध्य अमेरिका और दक्षिण अमेरिका के उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों का मूलनिवासी है। कोको बीजों का उपयोग एज़्टेक सभ्यता में 3,000 वर्षों से होता रहा है। "थियोब्रोमा" शब्द ग्रीक भाषा से है जिसका अर्थ "देवताओं का भोजन" है। भारत में केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में कोको की खेती होती है। डार्क चॉकलेट एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है, रक्त प्रवाह को बेहतर बनाती है और मनोदशा को बेहतर बनाने में सहायक होती है। UPSC GS-I की जैव विविधता एवं कृषि दृष्टि से यह एक रोचक तथ्यात्मक प्रश्न है।
संदर्भ: Wikipedia — World Chocolate Day; nationaltoday.com World Chocolate Day 2026

प्र.2. 29 जून 2026 को भारत सरकार ने कौन सी नई सामाजिक सुरक्षा योजना अधिसूचित की जो "कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952" का स्थान लेती है?
उत्तर: कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 2026
व्याख्या: भारत सरकार ने "कर्मचारी भविष्य निधि (EPF) योजना, 2026" और "कर्मचारी पेंशन योजना (EPS), 2026" अधिसूचित की, जो क्रमशः पुरानी EPF योजना 1952 और EPS 1995 का स्थान लेती हैं। ये दोनों योजनाएँ "सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020" (Code on Social Security, 2020) के अंतर्गत आधुनिक रूप में लागू की गई हैं। यह नई योजना 29 जून 2026 को प्रभावी हुई। EPF योजना 2026 के प्रमुख परिवर्तनों में आंशिक निकासी श्रेणियों को 13 से घटाकर 3 किया गया — आवश्यक आवश्यकताएँ (बीमारी, शिक्षा, विवाह), आवास आवश्यकताएँ, और विशेष परिस्थितियाँ। EPFO वर्तमान में लगभग 7 करोड़ सक्रिय सदस्यों को सेवाएँ प्रदान करता है। यह UPSC GS-II (सामाजिक सुरक्षा, श्रम सुधार) की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: vajiramandravi.com New EPF Scheme 2026;

प्र.3. "बुंदेलखंड की झाँसी" के नाम से प्रसिद्ध किस हिंदी उपन्यासकार ने "नदी के द्वीप" और "शेखर: एक जीवनी" जैसी अमर कृतियाँ लिखीं?
उत्तर: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन "अज्ञेय"
व्याख्या: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन "अज्ञेय" (1911-1987) हिंदी साहित्य के "प्रयोगवाद" और "नई कविता" आंदोलन के प्रणेता थे। उनका उपन्यास "शेखर: एक जीवनी" (1941-44) हिंदी का पहला मनोवैज्ञानिक उपन्यास माना जाता है। "नदी के द्वीप" (1951) उनकी दूसरी महत्वपूर्ण उपन्यास कृति है जो मानवीय संबंधों और अस्तित्व की जटिलता को उजागर करती है। उन्होंने "तारसप्तक" (1943) काव्य-संकलन का संपादन किया जिसने हिंदी कविता को नई दिशा दी। 1964 में उन्हें "आँगन के पार द्वार" के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार और 1978 में "कितनी नावों में कितनी बार" के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ।
संदर्भ: Hindi Sahitya Itihas — Hazariprasad Dwivedi Reference;

प्र.4. WHO ने 2 जुलाई 2026 को "बुंडिबुग्यो वायरस" (Bundibugyo Virus) के लिए पहले आणविक नैदानिक परीक्षण को Emergency Use Listing (EUL) में सम्मिलित किया — यह किस प्रसिद्ध वायरस समूह से संबंधित है?
उत्तर: इबोला वायरस समूह (Orthoebolavirus)
व्याख्या: WHO ने 2 जुलाई 2026 को बुंडिबुग्यो वायरस (BDBV) के लिए पहले आणविक नैदानिक परीक्षण को अपनी Emergency Use Listing (EUL) में सम्मिलित किया। बुंडिबुग्यो वायरस रोग (BVD) एक गंभीर, अत्यंत संक्रामक और प्रायः घातक जूनोटिक रोग है जो "Orthoebolavirus" जीनस (सामान्यतः इबोला वायरस समूह) से संबंधित है। पहले के प्रकोपों में इस रोग की मृत्यु दर 30-50% तक रही है। इस वायरस का प्राकृतिक आश्रय फल-चमगादड़ (Fruit Bats) माने जाते हैं। इसका नाम युगांडा के बुंडिबुग्यो जिले से आया है जहाँ 2007 में पहला प्रकोप दर्ज हुआ। वर्तमान में इसका कोई अनुमोदित टीका या विशिष्ट एंटीवायरल उपचार उपलब्ध नहीं है।
संदर्भ: insightsonindia.com UPSC Current Affairs 3 July 2026;

प्र.5. "संथाल हुल" (Santal Hul) विद्रोह 30 जून 1855 को प्रारंभ हुआ था — इसका नेतृत्व किन दो भाइयों ने किया था और यह विद्रोह किस क्षेत्र में हुआ था?
उत्तर: सिदो और कान्हू मुर्मू; राजमहल पहाड़ियाँ (दामिन-ए-कोह)
व्याख्या: संथाल हुल (विद्रोह) 30 जून 1855 को वर्तमान झारखंड के संथाल परगना (राजमहल पहाड़ियाँ/ दामिन-ए-कोह) क्षेत्र में भड़का। इसका नेतृत्व भोगनाडीह (साहेबगंज) के सिदो मुर्मू और कान्हू मुर्मू ने किया। यह विद्रोह ब्रिटिश जमींदारों, महाजनों और सरकारी अधिकारियों के शोषण के विरुद्ध था। लगभग 50,000 संथाल आदिवासी इसमें सम्मिलित हुए। 1856 तक ब्रिटिश सेना ने इसे दबा दिया जिसमें हजारों संथाल मारे गए। सिदो-कान्हू को फाँसी दी गई। संथाली भाषा की लिपि "ओल चिकी" का निर्माण पंडित रघुनाथ मुर्मू ने 1925 में किया। यह विद्रोह UPSC आदिवासी इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: kpiasacademy.com UPSC Current Affairs 3 July 2026; NCERT History Class 8, Ch 5 When People Rebel, p. 62–65

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. भारत में "डेक्कन पठार" (Deccan Plateau) की मिट्टी मुख्यतः किस प्रकार की है और यह किस प्रकार की चट्टान के अपक्षय से बनती है?

उत्तर: काली मिट्टी (रेगुर); बेसाल्ट (लावा)

व्याख्या: डेक्कन पठार का अधिकांश भाग बेसाल्ट (ज्वालामुखी लावा) चट्टान से निर्मित है। इस चट्टान के अपक्षय एवं अपघटन से "काली मिट्टी" (रेगुर / Black Cotton Soil) का निर्माण होता है। यह मुख्यतः महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में पाई जाती है। इसमें नमी धारण क्षमता सर्वाधिक होती है, इसीलिए यह कपास की खेती के लिए आदर्श है। लौह, कैल्शियम कार्बोनेट, मैग्नीशियम से भरपूर यह मिट्टी नाइट्रोजन और जैविक पदार्थों में कमजोर है। भारत में लगभग 5.46 लाख वर्ग किमी क्षेत्र इस मिट्टी से ढका है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 10, Ch 1 Resources and Development — Soil Types, p. 7–10;

प्र.7. भारतीय संसद में "विपक्ष के नेता" (Leader of Opposition) को संवैधानिक मान्यता कब और किस अधिनियम द्वारा प्रदान की गई?

उत्तर: 1977 में; लोक सभा में विपक्ष के नेता वेतन और भत्ते अधिनियम, 1977

व्याख्या: "लोक सभा में विपक्ष के नेता वेतन और भत्ते अधिनियम, 1977" द्वारा भारत में विपक्ष के नेता को औपचारिक मान्यता प्रदान की गई। इस अधिनियम के अनुसार लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने के लिए किसी एक दल के पास कुल सदस्यों की संख्या का कम से कम 1/10 (55 सदस्य) होना आवश्यक है। विपक्ष का नेता कैबिनेट मंत्री के समकक्ष दर्जा, वेतन और सुविधाएँ प्राप्त करता है। CBI निदेशक और CVC की नियुक्ति समिति में विपक्ष के नेता की भूमिका होती है। 2024 में राहुल गाँधी 18वीं लोकसभा के विपक्ष के नेता बने — यह 2014 के बाद पहली बार था जब लोकसभा में विपक्ष का नेता नियुक्त हुआ।

संदर्भ: NCERT Political Science Class 11, Indian Constitution at Work, Ch 5 Legislature,

प्र.8. प्रकाश का "पूर्ण आंतरिक परावर्तन" (Total Internal Reflection) किन दो परिस्थितियों में होता है — और इसका सबसे महत्वपूर्ण व्यावहारिक उपयोग क्या है?

उत्तर: क्रांतिक कोण से अधिक कोण; ऑप्टिकल फाइबर

व्याख्या: "पूर्ण आंतरिक परावर्तन" (Total Internal Reflection) तब होता है जब (1) प्रकाश सघन माध्यम से विरल माध्यम की ओर जाए (जैसे कांच से हवा), और (2) आपतन कोण "क्रांतिक कोण" (Critical Angle) से अधिक हो। इन दोनों परिस्थितियों में प्रकाश विरल माध्यम में प्रवेश नहीं करता बल्कि पूर्णतः सघन माध्यम में परावर्तित हो जाता है। इसका सर्वाधिक महत्वपूर्ण व्यावहारिक उपयोग "ऑप्टिकल फाइबर" (Optical Fibre) में है, जिसमें प्रकाश इसी सिद्धांत पर हजारों किलोमीटर तक बिना क्षय के संचारित होता है। ऑप्टिकल फाइबर का उपयोग इंटरनेट, दूरसंचार और चिकित्सा उपकरणों (Endoscope) में होता है। हीरे की चमक भी इसी सिद्धांत पर आधारित है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 Light — Reflection and Refraction, p. 172–174;

प्र.9. केरल का "थेय्यम" (Theyyam) कौन सी प्रकार की सांस्कृतिक परंपरा है और यह मुख्यतः किस क्षेत्र में प्रचलित है?

उत्तर: अनुष्ठानिक नृत्य-नाट्य (Ritual Dance); उत्तर केरल (मालाबार)

व्याख्या: थेय्यम (Theyyam) केरल के उत्तरी मालाबार क्षेत्र — विशेषतः कन्नूर और कासरगोड जिलों — की एक अनूठी अनुष्ठानिक लोक-कला परंपरा है। इसमें कलाकार विशिष्ट देवताओं, पूर्वजों और वीर नायकों का विस्तृत श्रृंगार (मुकुट, मुखसज्जा, वेशभूषा) धारण कर उनका "अवतार" लेता है। यह मुख्यतः दिसंबर से अप्रैल के बीच मंदिरों एवं तरवाड़ों (पारंपरिक परिवारों के आँगनों) में किया जाता है। थेय्यम द्रविड़ संस्कृति एवं शाक्त परंपरा से उत्पन्न है। इसमें 400 से अधिक प्रकार की थेय्यम शैलियाँ प्रचलित हैं। यह निम्न जाति के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली एक ऐसी परंपरा है जहाँ कलाकार स्वयं देव-स्वरूप बन जाता है।

संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 6 Performing Arts;

प्र.10. बिहार में "असम मैच टी" उत्पादन के समान किस विशिष्ट फसल के उत्पादन में किशनगंज जिला बिहार का अग्रणी जिला है?

उत्तर: चाय (Tea)

व्याख्या: किशनगंज जिला, बिहार का एकमात्र जिला है जहाँ चाय की व्यावसायिक खेती होती है। इसे "बिहार का चाय जिला" भी कहा जाता है। यहाँ की भौगोलिक परिस्थितियाँ — पर्याप्त वर्षा, अम्लीय मिट्टी, उपयुक्त तापमान — दार्जीलिंग और असम की चाय बागानों से मिलती-जुलती हैं। किशनगंज चाय को "दूसरा दार्जीलिंग" भी कहा जाता है। बिहार सरकार ने यहाँ "टी गार्डन" विकसित करने के लिए विशेष योजनाएँ चलाई हैं। हाल ही में असम ने भारत में पहली बार व्यावसायिक रूप से माचा चाय (Matcha Tea) का उत्पादन प्रारंभ किया है। बिहार के किशनगंज की चाय और असम की माचा — दोनों भारत के विविध कृषि भूगोल के प्रतीक हैं।

संदर्भ: Bihar Agriculture Department — Tea Cultivation Kishanganj; NCERT Geography Class 10, Ch 4 Agriculture, p. 42–44;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के जुलाई माह के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, बाढ़ के समय पीने का पानी दूषित हो जाता है – इससे बचने के लिए बच्चों को किन रोगों के बारे में जागरूक किया जाता है?

उत्तर: हैजा, टाइफाइड, पीलिया, डायरिया

व्याख्या: BSDMA के बाढ़ सुरक्षा एवं स्वास्थ्य मॉड्यूल (जुलाई W3-W4) के अनुसार, बाढ़ के दौरान जल-जनित रोगों का खतरा अत्यधिक बढ़ जाता है। बाढ़ का जल मल-मूत्र, रसायनों और जीवाणुओं से दूषित हो जाता है जिससे हैजा (Cholera), टाइफाइड (Typhoid), पीलिया (Jaundice/Hepatitis A), और दस्त/डायरिया (Diarrhoea) जैसे रोग फैलते हैं। बच्चों और बुजुर्गों में इनसे मृत्यु का जोखिम सर्वाधिक होता है। सुरक्षा उपाय: केवल उबला हुआ या क्लोरीनीकृत पानी पिएँ, कच्चा खाना न खाएँ, ORS (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट) का उपयोग डायरिया में करें और तत्काल चिकित्सा सहायता लें। पश्चिम चंपारण सहित उत्तर बिहार में बाढ़ के बाद जल-जनित रोगों का प्रकोप एक गंभीर वार्षिक चुनौती है।

संदर्भ: BSDMA Flood Health Safety Module, July W3–W4;

प्र.12. किसी संख्या का 40% उस संख्या के 1/5 से 12 अधिक है। वह संख्या क्या है?

उत्तर: 60

व्याख्या: माना वह संख्या = x। समीकरण: x का 40% = x का 1/5 + 12 → 40x/100 = x/5 + 12 → 2x/5 = x/5 + 12 → 2x/5 − x/5 = 12 → x/5 = 12 → x = 60। सत्यापन: 60 का 40% = 24; 60 का 1/5 = 12; और 12 + 12 = 24 ✓। इस प्रश्न में प्रतिशत (Percentage) और भिन्न (Fraction) दोनों की अवधारणाओं का एक साथ उपयोग होता है। यह BPSC, SSC, Railway और बैंकिंग परीक्षाओं की Quantitative Aptitude में अत्यंत प्रचलित प्रश्न प्रकार है।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 8 Comparing Quantities – Percentage, p. 158–163;

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।

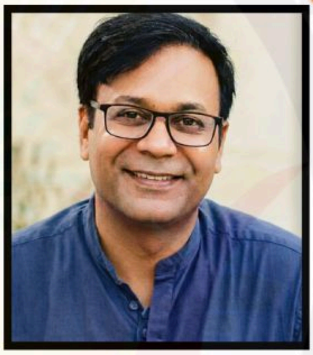

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Labour (लेबर) = Work = श्रम / मेहनत
Antonym – Rest = विश्राम
Launch (लॉन्च) = Begin = आरम्भ करना
Antonym – End = समाप्त करना
Loyal (लॉयल) = Faithful = वफादार
Antonym – Disloyal = विश्वासघाती
Luxury (लक्ज़री) = Comfort = विलासिता / ऐश्वर्य
Antonym – Poverty = गरीबी
Limit (लिमिट) = Boundary = सीमा
Antonym – Infinity = असीमता

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. ICMR Wins Gold at National Awards for e-Governance 2026; Healthcare Data Management Recognised
हिन्दी अनुवाद: ICMR ने राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 में स्वर्ण पुरस्कार जीता; स्वास्थ्य डेटा प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य को मान्यता।
भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) ने राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 में स्वर्ण पुरस्कार जीता। (Pib) ICMR ने स्वास्थ्य अनुसंधान डेटा के डिजिटल प्रबंधन, क्लिनिकल ट्रायल नेटवर्क की पारदर्शिता और AI-सहायक निगरानी प्रणालियों में उत्कृष्ट कार्य किया है। यह पुरस्कार प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से विज्ञान, शासन और डिजिटल इंडिया तीनों विषयों से जुड़ा महत्वपूर्ण तथ्य है।

2. BRICS Women Working Group Meeting Inaugurated in Kochi; India Chairs Session on Women-Led Development
हिन्दी अनुवाद: BRICS महिला कार्य समूह की बैठक कोच्चि में प्रारंभ; भारत ने महिला नेतृत्व विकास पर सत्र की अध्यक्षता की।
भारत 6-7 जुलाई 2026 को कोच्चि में BRICS महिला कार्य समूह बैठक की मेज़बानी कर रहा है। (Pib) भारत की BRICS 2026 अध्यक्षता की थीम — "Building for Resilience, Innovation, Cooperation and Sustainability" — के अनुरूप इस बैठक में महिला उद्यमिता, डिजिटल समावेशन, लैंगिक समानता और ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक भागीदारी पर BRICS देशों के बीच सहयोग को और मज़बूत करने पर चर्चा हो रही है।

3. Modified UDAN Scheme Detailed: Rs 29,000 Crore Outlay Over 10 Years; 669 Routes, 95 Airports Already Covered
हिन्दी अनुवाद: संशोधित UDAN योजना विस्तृत: 10 वर्षों में ₹29,000 करोड़ का प्रावधान; अब तक 669 मार्ग और 95 हवाई अड्डे जुड़े।
संशोधित UDAN योजना को कैबिनेट ने 25 मार्च 2026 को अनुमोदित किया और इसके लिए 10 वर्षों में लगभग ₹29,000 करोड़ का प्रावधान है। 2016 से अब तक UDAN ने 669 मार्गों को चालू किया है और 95 हवाई अड्डों/हेलीपोर्ट/जलाशय हवाई पट्टियों को जोड़ा है जिससे 1.66 करोड़ से अधिक यात्री लाभान्वित हुए हैं। इसके अंतर्गत 100 अनसेव्ड एयरस्ट्रिप्स के विकास हेतु ₹12,159 करोड़, 200 आधुनिक हेलीपैड हेतु ₹3,661 करोड़ और HAL Dhruv व Dornier जैसे स्वदेशी विमानों को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

INTERNATIONAL NEWS

1. Khamenei's Funeral Procession Through Tehran Today; New Supreme Leader Mojtaba Yet to Appear in Public
हिन्दी अनुवाद: तेहरान में खामेनेई का अंतिम शव-यात्रा जुलूस आज; नए सर्वोच्च नेता मोजतबा अभी भी सार्वजनिक रूप से नदारद।
सोमवार की सुबह से ही काले कपड़े पहने शोक-संतप्त लोगों की भीड़ तेहरान की सड़कों पर उमड़ पड़ी; खामेनेई का अंतिम शव-यात्रा जुलूस इमाम हुसैन चौक से आज़ादी चौक तक 6 मील के मार्ग से निकाला जा रहा है। सोमवार के बाद खामेनेई के पार्थिव अवशेष को शिया धर्म के केंद्र क़ुम ले जाया जाएगा, फिर इराक के कर्बला-नजफ में और अंततः 9 जुलाई को मशहद में दफनाया जाएगा। (CNN) नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई 28 फरवरी को हुए अमेरिका-इज़राइली हमले के बाद से एक बार भी सार्वजनिक रूप से नहीं दिखे; अमेरिकी रक्षा मंत्री ने मार्च में कहा था कि वे "घायल हैं और संभवतः विकृत।"

2. US-Iran Nuclear Talks Resume After Funeral Pause; Strait of Hormuz Remains Fragile
हिन्दी अनुवाद: खामेनेई के अंतिम संस्कार के बाद अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता पुनः प्रारंभ; होर्मुज़ जलडमरूमध्य में नाज़ुक स्थिति जारी।
ईरान के शीर्ष वार्ताकार ने कहा है कि अमेरिका के साथ समझौते को लागू करना "कठिन, लेकिन संभव" है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुज़रने वाले लगभग एक-तिहाई जहाज़ पिछले कुछ दिनों में ओमान के तट के साथ-साथ चल रहे हैं क्योंकि यह जलमार्ग अमेरिका-ईरान नाज़ुक युद्धविराम का हिस्सा बना हुआ है। 60 दिन के युद्धविराम के तहत परमाणु वार्ता जारी है परंतु ईरान के Pickaxe Mountain परमाणु स्थल पर कार्य जारी रहने की IAEA चिंता वार्ता को जटिल बना रही है।

3. India Chairs UNCTAD Intergovernmental Experts Group on Consumer Protection; 9th Session Opens
हिन्दी अनुवाद: भारत ने UNCTAD के उपभोक्ता संरक्षण पर अंतर-सरकारी विशेषज्ञ समूह के 9वें सत्र की अध्यक्षता की।
भारत उपभोक्ता संरक्षण पर UNCTAD के अंतर-सरकारी विशेषज्ञ समूह के 9वें सत्र की अध्यक्षता कर रहा है। (Press Information Bureau) यह सत्र डिजिटल युग में उपभोक्ता संरक्षण, ई-कॉमर्स विनियमन, डेटा गोपनीयता और AI से जुड़ी उपभोक्ता चुनौतियों पर वैश्विक नीतियों को दिशा देने में महत्वपूर्ण है। भारत की UNCTAD में यह अध्यक्षता विकासशील देशों के लिए वैश्विक व्यापार मानकों को प्रभावित करने का एक बड़ा अवसर है।

BIHAR NEWS

1. Bihar Flood Crisis Deepens: Kosi Barrage Releases Record 5.33 Lakh Cusecs; Bagaha-Bettiah Am[illegible] Hit Areas

हिन्दी अनुवाद: बिहार में बाढ़ संकट गहराया: कोसी बैराज से रिकॉर्ड 5.33 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया; बगहा-बेतिया सर्वाधिक प्रभावित।
बिहार में कोसी और महानंदा सहित प्रमुख नदियों में उफान के कारण बाढ़ जैसे हालात हैं। सुपौल के बिरपुर बैराज के सभी 56 गेट खोले गए; शाम 4 बजे तक 5.33 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया — इस वर्ष की सर्वाधिक निकासी। सुपौल, मधेपुरा और सहरसा में बाढ़ से कई निचले क्षेत्र जलमग्न हो गए हैं। (News on Air) पश्चिम चम्पारण और पूर्वी चम्पारण में नदी-पोषित नदियों में भारी प्रवाह से बाढ़ आई है; तटबंध सुरक्षा कर्मियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और अंदरूनी क्षेत्र के निवासियों को ऊँचे स्थानों पर जाने की अपील की गई है।

2. BPSC 72nd CCE Prelims: Admit Card Expected This Week; 1,142 Vacancies, Exam on July 26

हिन्दी अनुवाद: BPSC 72वीं CCE प्रारंभिक परीक्षा: इस सप्ताह Admit Card जारी होने की उम्मीद; 1,142 पद, परीक्षा 26 जुलाई को।
BPSC 72वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगी परीक्षा 26 जुलाई 2026 (रविवार) को आयोजित होगी। गन्ना अधिकारी के 44 पद हटने के बाद कुल रिक्तियाँ 1,142 हैं जिनमें SDO, DSP, District Commandant, Sub Registrar जैसे प्रमुख पद शामिल हैं। इस सप्ताह Admit Card जारी होने की संभावना है — सभी अभ्यर्थी bpsc.bihar.gov.in पर नज़र रखें। MCQ में नए 5वें विकल्प 'E' (Not Attempted) को ध्यान में रखकर तैयारी करें।

SPORTS NEWS

1. World Cup Stunner: Haaland Scores Twice to Sink Brazil 2-1; England Beat Mexico 3-2 at the Azteca

हिन्दी अनुवाद: विश्व कप महाउलटफेर: हालैंड की जोड़ी गोल से नॉर्वे ने ब्राज़ील को 2-1 से हराया; इंग्लैंड ने Azteca में मेक्सिको को 3-2 से पराजित किया।
एर्लिंग हालैंड ने 79वें और 90वें मिनट में लगातार दो गोल कर नॉर्वे को नाटकीय 2-1 की जीत दिलाई और ब्राज़ील को बाहर किया — नॉर्वे के इतिहास में यह पुरुष फुटबॉल की सबसे बड़ी उपलब्धि है। (ESPN) मेक्सिको सिटी के Estadio Azteca में इंग्लैंड ने मेक्सिको को 3-2 से हराया; Jude Bellingham ने लगातार दो गोल किए और Harry Kane ने पेनल्टी से निर्णायक तीसरा गोल किया। (ESPN) हालैंड के अब टूर्नामेंट में 7 गोल हो गए हैं और वे Golden Boot की दौड़ में शामिल हो गए हैं।

2. FIFA WC Round of 16 Today (July 6): Spain vs Portugal — El Clasico of Nations; USA vs Belgium — USMNT's Quarter-Final Dream

हिन्दी अनुवाद: FIFA विश्व कप Round of 16 (6 जुलाई): स्पेन-पुर्तगाल का 'राष्ट्रों का एल क्लासिको'; USA-बेल्जियम में USMNT का क्वार्टर-फाइनल सपना।
सोमवार को दो महाभिड़ंत होंगी — AT&T Stadium (Dallas) में स्पेन बनाम पुर्तगाल तथा Lumen Field (Seattle) में USA बनाम बेल्जियम। (Olympics) स्पेन चार मैचों में एक भी गोल नहीं खाने के बाद टूर्नामेंट की सबसे संतुलित टीम के रूप में उभरी है; Lamine Yamal लय में हैं। (Olympics) FIFA ने Folarin Balogun का एक मैच का निलंबन वापस ले लिया है, जिससे USMNT के शीर्ष स्कोरर बेल्जियम के खिलाफ उपलब्ध रहेंगे।

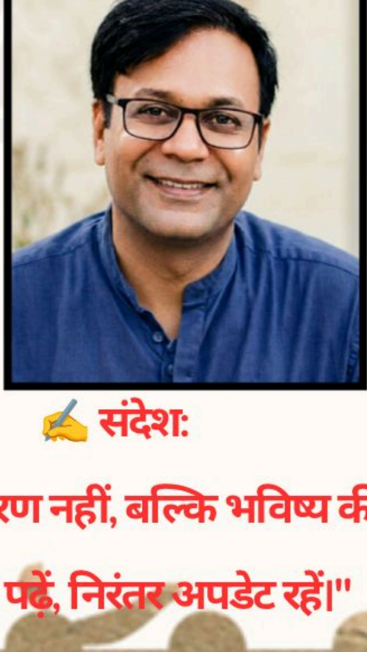

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"समाचार केवल घटनाओं का विवरण नहीं, बल्कि भविष्य की तैयारियों का आधार हैं।

प्रतिदिन पढ़ें, निरंतर अपडेट रहें।"

अनुभाग-6

प्रेरक कहानी

"खुशी का असली स्वाद"

(7 जुलाई – विश्व चॉकलेट दिवस विशेष)

7 जुलाई को विद्यालय में विश्व चॉकलेट दिवस के अवसर पर सभी बच्चों को एक-एक चॉकलेट दी गई। चॉकलेट मिलते ही बच्चे खुशी से झूम उठे।
मोहन सर मुस्कुराते हुए बोले,
“बच्चो! इसे अभी मत खाना। पहले मैं एक छोटा-सा खेल खिलाऊँगा।”
उन्होंने कहा, “जिस बच्चे के पास चॉकलेट है, वह चाहे तो उसे अपने पास रख सकता है या किसी ऐसे मित्र को दे सकता है, जिसे आज चॉकलेट नहीं मिली हो।”
सभी बच्चे सोचने लगे। तभी अनिकेत ने देखा कि नया छात्र दीपक चुपचाप एक कोने में बैठा है। वह आज देर से आया था, इसलिए उसके लिए चॉकलेट बची ही नहीं थी।
अनिकेत बिना कुछ कहे अपनी चॉकलेट लेकर दीपक के पास गया और मुस्कुराते हुए बोला,
“लो दोस्त, आज हम दोनों आधी-आधी खाएँगे।”
दीपक की आँखों में खुशी चमक उठी।
यह देखकर कुछ और बच्चों ने भी अपनी चॉकलेट बाँट दी। कुछ ही मिनटों में पूरी कक्षा मुस्कान से भर गई।
मोहन सर ने बच्चों से पूछा,
“बताओ, सबसे मीठी चॉकलेट किसकी थी?”
बच्चे एक स्वर में बोले,
“जिसने बाँटी, उसकी!”
मोहन सर मुस्कुराए और बोले,
“चॉकलेट की मिठास कुछ मिनट रहती है, लेकिन दयालुता और बाँटने की मिठास जीवनभर याद रहती है। यदि खुशी अकेले खाओगे तो छोटी लगेगी, लेकिन बाँटोगे तो कई गुना बढ़ जाएगी।”
उस दिन बच्चों ने केवल चॉकलेट का स्वाद नहीं चखा, बल्कि साझा करने की खुशी का भी अनुभव किया।

🌟 **प्रेरणा**

जीवन की सबसे मीठी चीज़ चॉकलेट नहीं, बल्कि दूसरों के चेहरे पर लाई गई मुस्कान है। जो खुशियाँ बाँटना सीख जाता है, वही सच्चे अर्थों में सबसे समृद्ध इंसान बनता है। 🍫😊

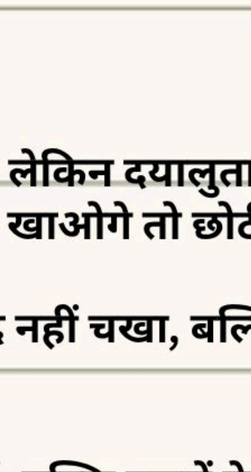

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) हर बच्चे का स्वागत, कोई बच्चा पीछे न छूटे

शिक्षक साथियों, हमारी कक्षाओं में आने वाला हर बच्चा एक जैसा नहीं होता। कोई बच्चा बहुत तेजी से सीखता है, किसी को समझने में थोड़ा अधिक समय लगता है, किसी बच्चे की पृष्ठभूमि सामाजिक या आर्थिक रूप से कमजोर होती है, तो कोई बच्चा शारीरिक या मानसिक रूप से दिव्यांग (Children with Special Needs - CWSN) हो सकता है। समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) का अर्थ है— इन सभी विविधताओं को एक 'समस्या' के रूप में नहीं, बल्कि कक्षा की 'समृद्धि' के रूप में स्वीकार करना। इसका सीधा सा नियम है कि बच्चे को स्कूल के अनुसार खुद को नहीं बदलना है, बल्कि स्कूल और शिक्षक को बच्चे की जरूरत के अनुसार अपनी व्यवस्था को लचीला बनाना है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) और अधिकार अधिनियम (RPWD Act) स्पष्ट कहते हैं कि किसी भी बच्चे को उसकी अक्षमता या पृष्ठभूमि के कारण सामान्य स्कूल में पढ़ने से वंचित नहीं किया जा सकता। समावेशी शिक्षा केवल एक नीति नहीं है, यह एक 'मानवीय दृष्टिकोण' है। एक समावेशी शिक्षक वह नहीं है जो केवल सहानुभूति दिखाए, बल्कि वह है जो कक्षा में ऐसा वातावरण बनाए जहाँ हर बच्चा खुद को सुरक्षित, सम्मानित और महत्वपूर्ण महसूस करे।

उदाहरण:

आइए इसे अपनी कक्षा की एक वास्तविक और व्यावहारिक स्थिति से समझते हैं। मान लीजिए आपकी कक्षा 3 में 'अमित' नाम का एक बच्चा है, जिसे आँखों से थोड़ा कम दिखाई देता है (Low Vision) या वह व्हीलचेयर/बैसाखी के सहारे चलता है।

- गैर-समावेशी तरीका (पुराना ढर्रा): शिक्षक अमित को सबसे पीछे बिठा दे और सोचे कि "यह तो ठीक से देख या चल नहीं सकता, मैं इस पर अलग से समय कैसे दूँ?" या बाकी बच्चे उसे खेल से अलग रखें। इससे अमित के मन में हीनभावना घर कर जाएगी।
- समावेशी तरीका (नया दृष्टिकोण): शिक्षक अमित को कक्षा में सबसे आगे, पर्याप्त रोशनी वाली जगह पर बिठाता है। जब शिक्षक ब्लैकबोर्ड पर कुछ लिखता है, तो वह उसे साथ-साथ जोर से बोलता भी है ताकि अमित सुनकर भी समझ सके। खेल के घंटे में, शिक्षक एक ऐसा खेल (जैसे— रुमाल झपट्टा या गोल घेरे में बैठकर अंत्याक्षरी/गेंद पास करना) चुनता है जिसमें अमित भी सक्रिय रूप से भाग ले सके। इसके अलावा, शिक्षक कक्षा के दो सहपाठियों को अमित का 'बडी' (Buddy/मित्र) बना देता है जो स्कूल परिसर में उसकी मदद करते हैं।

इस साधारण बदलाव से अमित का आत्मविश्वास तो बढ़ता ही है, साथ ही कक्षा के बाकी बच्चों के भीतर भी 'करुणा', 'सहानुभूति' और 'विविधता का सम्मान' करने जैसे महान मानवीय मूल्य स्वतः विकसित हो जाते हैं। वे सीखते हैं कि शारीरिक भिन्नता के बावजूद अमित उनका एक प्यारा दोस्त है।

शिक्षक साथियों, समावेशी शिक्षा को सफल बनाने के लिए हमें तीन स्तरों पर काम करना होगा:

1. भौतिक सुगमता (Physical Accessibility): स्कूल में रैंप, रेलिंग और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं दिव्यांग बच्चों के अनुकूल हों (सुलभ भारत अभियान के अंतर्गत)।
2. लचीली शिक्षण विधि (Flexible Pedagogy): यदि कोई बच्चा पढ़कर नहीं समझ पा रहा, तो उसे चित्रों, स्पर्श करने वाली सामग्रियों (Tactile TLM) या कहानियों के माध्यम से समझाएं। मूल्यांकन के तरीके भी अलग हो सकते हैं (जैसे- लिखित परीक्षा की जगह मौखिक उत्तर)।
3. सकारात्मक दृष्टिकोण: पूर्वाग्रहों को छोड़ना होगा। हमें यह विश्वास रखना होगा कि "हर बच्चा सीख सकता है," बस हमें उसकी गति और भाषा को समझना होगा।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि समावेशन का अर्थ केवल बच्चे को कक्षा में 'बिठाना' नहीं है, बल्कि उसे सीखने की प्रक्रिया में 'शामिल' करना है। जब हमारे सरकारी स्कूलों का हर कोना समावेशी बनता है, तभी सही मायनों में 'सबका साथ, सबका विकास' और 'समानता' का अधिकार धरातल पर उतरता है। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी कक्षा में अंतिम छोर पर बैठा या किसी भी रूप में विशेष बच्चा खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है?

.................✍️

मनोज कुमार झा

प्रधानाध्यापक

राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय

बेतिया, प. चम्पारण।

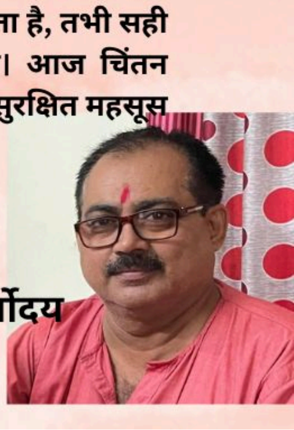

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर | बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव | सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- ■ चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- ■ गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, बौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 | बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : समस्तीपुर, अंक–3"

विद्यापतिधाम का आध्यात्मिक वैभव, मक्का-तंबाकू की आर्थिकी और कृषि उद्योग

'संपादकीय'✍️

समस्तीपुर की सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का हृदय यहाँ के आध्यात्मिक और ऐतिहासिक केंद्रों में धड़कता है, जिसमें विद्यापतिधाम (मऊ बाजीतपुर) का स्थान पौराणिक और साहित्यिक रूप से सर्वोच्च है। गंगा और बूढ़ी गंडक के दोआब क्षेत्र में स्थित यह वही पावन भूमि है, जहाँ मैथिली के कोकिल और महान शिव-भक्त महाकवि विद्यापति ने अपने प्राण त्यागे थे। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, स्वयं भगवान शिव 'उगना' रूप धारण कर जिनकी चाकरी करने आए थे, उन विद्यापति की यह निर्वाण स्थली आज संपूर्ण मिथिलांचल के लिए एक वैश्विक सांस्कृतिक तीर्थ है। कार्तिक पूर्णिमा और महाशिवरात्रि के अवसर पर यहाँ उमड़ने वाला लाखों श्रद्धालुओं का जनसैलाब इस जिले को सर्वसमावेशी सांस्कृतिक मंच प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, मोरवा का खुदनेश्वर स्थान सांप्रदायिक सौहार्द (गंगा-जमुनी तहजीब) का एक अनूठा उदाहरण है, जहाँ एक ही छत के नीचे शिव मंदिर और मुस्लिम स्वामिनी 'खुदनी बीवी' की मज़ार समानांतर रूप से पूजनीय हैं।

आर्थिक मोर्चे पर समस्तीपुर संपूर्ण उत्तर बिहार की कृषि-वाणिज्यिक राजधानी है। इस आर्थिकी का सबसे मजबूत स्तंभ यहाँ की मक्का, आलू और तंबाकू (खैनी) पर आधारित अनूठी ग्रामीण आर्थिकी है। दलसिंहसराय और पटोरी की मंडियाँ देश में उच्च गुणवत्ता वाले 'पीले सोने' (मक्का) और स्थानीय तंबाकू के सबसे बड़े थोक व्यापारिक केंद्रों में से एक हैं। समस्तीपुर में उत्पादित मक्का का उपयोग वैश्विक स्तर पर स्टार्च, पोल्ट्री फीड और इथेनॉल निर्माण के लिए किया जाता है, जिससे यहाँ का किसान सीधे अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी मार्केट से जुड़ता है। इसके साथ ही, ताजपुर और कल्याणपुर के बेल्ट में होने वाली आलू, हल्दी और मौसमी सब्जियों की रिकॉर्ड पैदावार यहाँ की कृषि-मंडियों को हमेशा नकदी तरलता प्रदान करती है।

औद्योगिक धरातल पर हसनपुर चीनी मिल इस जिले की आर्थिक रीढ़ रही है, जिसने दशकों से गन्ना किसानों को एक मजबूत संबल दिया है। हाल के वर्षों में तकनीकी उन्नयन के माध्यम से यहाँ शुरू हुई आधुनिक इथेनॉल और बायो-गैस इकाइयाँ राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा नीति (Renewable Energy Policy) को मज़बूत कर रही हैं। इसके अतिरिक्त, समस्तीपुर रेलवे वर्कशॉप (मकानपुर) और रेल प्रमंडल मुख्यालय होने के कारण यहाँ लॉजिस्टिक्स, परिवहन और सेवा क्षेत्र (Service Sector) का एक विशाल बुनियादी ढांचा विकसित हुआ है। कुटीर उद्योगों की बात करें तो उजियारपुर और शिवाजीनगर के ग्रामीण क्षेत्रों में जीविका दीदियों द्वारा संचालित मशरूम की खेती और जूट-क्राफ्ट क्लस्टर्स ने ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का एक अनूठा 'लोकल फॉर वोकल' मॉडल प्रस्तुत किया है।

भविष्य के आर्थिक रोडमैप की बात करें तो समस्तीपुर में 'मेगा फूड पार्क' और एग्रो-लॉजिस्टिक्स हब बनने की असीमित संभावनाएं हैं। पूसा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान और एनएच-28 व नवनिर्मित एक्सप्रेसवे के जंक्शन पर स्थित होने के कारण, यहाँ मक्का स्टार्च प्रोसेसिंग यूनिट्स, फ्रेंच फ्राइज मेकिंग प्लांट्स और डेयरी-प्रोसेसिंग क्लस्टर्स स्थापित कर स्थानीय कृषि उपज को 'वैश्विक मूल्य श्रृंखला' (Global Value Chain) से जोड़ा जा रहा है। विद्यापतिधाम और खुदनेश्वर स्थान को 'मिथिला-टूरिज्म सर्किट' से जोड़कर सांस्कृतिक पर्यटन को नया आयाम दिया जा रहा है, जो स्थानीय युवाओं के लिए हज़ारों प्रत्यक्ष रोज़गार के अवसर पैदा करने में पूरी तरह सक्षम है।

अंततः, समस्तीपुर का यह अंतिम आर्थिक-सांस्कृतिक अंक यह प्रमाणित करता है कि यह जिला अपने वैज्ञानिक और समाजवादी अतीत की तरह ही आधुनिक आर्थिक मोर्चे पर भी बिहार की प्रगति का नेतृत्व कर रहा है। विद्यापतिधाम के भजनों की मधुर लय से लेकर दलसिंहसराय की अनाज मंडियों की हलचल तक, पूसा के कृषि अनुसंधान खेतों की हरियाली से लेकर इथेनॉल प्लांटों की धड़कन तक–समस्तीपुर आत्मनिर्भर और आधुनिक बिहार का एक संपूर्ण ब्लूप्रिंट प्रस्तुत करता है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए इस क्षेत्रीय औद्योगिक ढांचे, कृषि-विविधता और एग्रो-बेस्ड इकोनॉमी के इस व्यावहारिक मॉडल का यह गहन अध्ययन उत्तर बिहार की आर्थिक नियति को समझने की एक अत्यंत सटीक और प्रामाणिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

..........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

🙏 भावभीनी विदाई एवं कृतज्ञता ज्ञापित 🙏

"विदाई तो केवल एक दस्तूर है, आपके कार्यों की महक इस चम्पारण की माटी में सदा जीवित रहेगी!"
यह समय पश्चिमी चम्पारण, बेतिया के संपूर्ण शिक्षा जगत के लिए अत्यंत भावुक और हृदय को भारी कर देने वाला है। हमारे मार्गदर्शक, अत्यंत लोकप्रिय और चम्पारण के कोने-कोने में शिक्षा की अलख जगाने वाले आदरणीय जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री रवींद्र कुमार सर को हम सभी आज नम नयनों से विदाई दे रहे हैं।

"सौम्यता जिनकी पहचान रही, सहजता जिनका व्यवहार था,
हर शिक्षक के दिल में बसने वाला, वो चम्पारण का गौरव आधार था।"

अमिट छाप और बेमिसाल कार्यशैली:

श्री रवींद्र कुमार सर का कार्यकाल चम्पारण के इतिहास में एक 'स्वर्णिम अध्याय' के रूप में याद किया जाएगा। शिक्षा जगत में ऐसे प्रशासनिक अधिकारी बिरले ही देखने को मिलते हैं जिन्होंने पद की गरिमा के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं को सर्वोपरि रखा।

सुलभता और सहजता: आपकी सबसे बड़ी खूबी आपकी सुलभता रही। ज़िले का साधारण से साधारण शिक्षक या कर्मचारी भी बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी समस्याओं को लेकर आपके समक्ष उपस्थित हो सकता था। आपने कभी किसी को निराश नहीं किया।

शिक्षकों के दिलों में वास: अपनी सौम्यता और बेहतरीन कार्यशैली से आपने केवल दफ्तर नहीं चलाया, बल्कि चम्पारण के हज़ारों शिक्षक-शिक्षिकाओं के दिलों में एक पारिवारिक सदस्य की तरह अपनी जगह बनाई है।

सकारात्मक नेतृत्व: मुश्किल से मुश्किल विभागीय चुनौतियों को भी मुस्कुराते हुए और शांत रहकर सुलझाना आपकी विशिष्ट कला रही है, जिसने पूरे जिले के शैक्षणिक वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया।

💔

आदरणीय सर, प्रशासनिक नियमों के तहत आपका स्थानांतरण भले ही हमें आपसे शारीरिक रूप से दूर कर रहा है, परंतु आपके द्वारा किए गए सुधार, आपकी सादगी और आपका स्नेह हमेशा चम्पारण की पाठशालाओं में मार्गदर्शक बनकर जीवित रहेगा। आपके विदाई के इस क्षण पर शब्द कम पड़ रहे हैं और हर आँख नम है।

🤲 मंगलकामनाएं एवं सादर आभार

चम्पारण का समस्त शिक्षा परिवार आपके प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता और आभार प्रकट करता है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि आपका आगामी जीवन और नई ज़िम्मेदारी का कार्यकाल सफलता, उत्तम स्वास्थ्य और असीम आनंद से परिपूर्ण हो। आप जहाँ भी जाएँ, अपनी कार्यकुशलता से सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करें।

चम्पारण की ऐतिहासिक धरा से आपको सादर प्रणाम, नमन और भावभीनी विदाई!
शैलेन्द्र...!🙏🙏🙏

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org